शुक्रवार
08 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 104
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चम्पावत सामुहिक दुष्कर्म प्रकरण

पीड़िता अपने बयान से पलटी, वहीं साजिशकर्ता भी हुआ बेनकाब!

कांग्रेस, उक्रांद ने फूंका सरकार का पुतला, कहा उच्च स्तरीय जांच हो

हमारे संवाददाता

चम्पावत। सल्ली क्षेत्र की नाबालिग से सामुहिक दुष्कर्म के आरोपो का पुलिस जांच में फर्जी करार दिया गया है। वहीं सोशल मीडिया में पीड़िता व उसके चचेरे भाई का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें उनके द्वारा सारा मामला ही गलत बता दिया गया है। वहीं इस प्रकरण में आज कांग्रेस व उंक्रांद द्वारा सरकार का पुतला फूंकते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की गयी है। वहीं मामले में पुलिस द्वारा पीड़िता का वीडियो बयान जारी करने पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा डॉ गीता खन्ना की आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह गलत है।

पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आया कि पीड़िता ग्राम सल्ली में हुए विवाह समारोह में अपनी इच्छा से अपने दोस्त के साथ गयी थी। साथ ही उस दिन कमल, पीड़िता व उसकी महिला मित्र के साथ बार बार फोन पर सम्पर्क होना पाया गया। पुलिस

का दावा है कि जांच में यह भी सामने आया कि घटना स्थल के आस पास आरोपी विनोद सिंह रावत, पूरना सिंह रावत व नवीन सिंह रावत मौजूद नहीं थे। पुलिस का कहना है कि यह सारी साजिश कमल रावत जो कि पीड़िता की पैरवी कर रहा था उसकी रची हुई थी।

वहीं मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल व अन्य कांग्रेसियों का कहना है कि भाजपा इस प्रकरण को भी अंकिता भंडारी मामले की तरह दबाना चाहती है क्योंकि इस मामले में भाजपा नेता व पूर्व मण्डल उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत का नाम सामने आया है। जिस कारण भाजपा असहज हो गयी है। उन्होने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। वहीं आज इस मामले को लेकर उक्रांद कार्यकर्ता भी सड़कों पर उतर आये और उन्होने सरकार का पुतला फूंकते हुए जांच की मांग की है। उक्रांद के नेताओं का कहना है कि प्रशासन इस मामले को दबाने का प्रयास कर रहा है।

पीड़िता के चचेरे भाई व पीड़िता का एक वीडियों सोशल मीडिया मे वायरल हुआ है जिसमें वह पूर्व में लगाये गये सभी आरोपों यानि सामूहिक दुष्कर्म मामले को फर्जी करार देते हुए भाजपा के पूर्व मडंल अध्यक्ष कमल रावत पर आरोप लगा रहे है कि यह सारी साजिश उनके द्वारा रची गयी थी। वहीं पुलिस द्वारा पीड़िता का वीडियो बयान जारी करने पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा डॉ गीता खन्ना की आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह गलत है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी मां की जमानत याचिका खारिज

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने अपनी 13 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने में कथित रूप से सह-आरोपी की सहायता करने की आरोपी महिला की जमानत याचिका खारिज कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकल पीठ ने आरोपी मां को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

बता दें कि पीड़िता के पिता ने हरिद्वार में मुकदमा दर्ज करा कर आरोप लगाया था कि लड़की की मां ने पीड़िता को सह-आरोपी के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। पीड़िता को जबरन शराब पिलाई गई। उसे हरिद्वार, आगरा, गाजियाबाद और वृंदावन की यात्रा करने के लिए मजबूर किया गया। इन जगहों पर उससे कथित तौर

पर दुष्कर्म हुआ।

मामले में आरोपी की ओर से यह तर्क दिया गया कि घटना के समय पीड़िता आवासीय विद्यालय में पढ़ रही थी, इसलिए उसे विभिन्न शहरों की यात्रा करवाना एक झूठा आरोप है। यह भी दलील दी गयी कि प्राथमिकी दर्ज करने में पांच महीने की देरी हुई, जिससे अभियोजन पक्ष की कहानी पर संदेह पैदा होता है। राज्य सरकार ने आरोपी की जमानत याचिका का विरोध किया गया। आरोपों को गंभीर प्रकृति का बताते हुए अदालत ने कहा कि ये बच्चे के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं. इसलिए मामले में विसंगतियों या मामले में हुए विलंब का निर्णय केवल निचली अदालत के समक्ष ही किया जाना चाहिए.

अदालत ने कहा कि हालांकि आरोपी जून 2025 से न्यायिक हिरासत में है, लेकिन जेल में लंबी अवधि ऐसे गंभीर मामलों में जमानत देने का आधार नहीं हो सकता। मामले की गंभीरता और आरोपी को रिहा करने की स्थिति में गवाहों को प्रभावित करने की आशंका को देखते हुए अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

इस राजनीति का सच क्या है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके निकटतम सहयोगी अमित शाह जिन्हें अब देश के नेता राजनीति का चाणक्य कहते हैं, के नेतृत्व में भाजपा निरंतर चुनावी जीत दर जीत दर्ज करती हुई उस मुकाम तक पहुंच चुकी है जहां कभी कांग्रेस हुआ करती थी। कांग्रेस की उस बुलंदी का कारण था उसका राजनीतिक एकाधिकार जहां उसे चुनौती देने वाला कोई दूसरा बड़ा प्रतिद्वंद्वी था ही नहीं लेकिन वर्तमान की भाजपा ने यह उपलब्धि लंबे संघर्ष तथा तमाम छोटे बड़े दलों की चुनौतियों का सामना करते हुए की है जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। लेकिन उसे उसकी राजनीतिक सफलताओं के लिए बधाई देने वाले भी इस बात को कहने से चूकते नहीं है कि उसने यह सफलता संवैधानिक व्यवस्थाओं और मान्यताओं तथा परंपराओं की बलि चढ़ा कर हासिल की है। यही कारण है कि विपक्षी दल और उनके नेताओं के लिए संविधान और लोकतंत्र बचाओ का मुद्दा 70 के दशक के आपातकाल जैसा ही अहम हो गया है। यह बात अलग है कि विपक्षी नेता अपने-अपने निजी स्वार्थो की प्रतिपूर्ति के चलते आपातकाल की तरह एकजुट नहीं हो सके हैं जिसका लाभ उठाते हुए भाजपा एक-एक कर क्षेत्रीय क्षत्रपों और राजनीतिक दलों को तहस-नहस करती चली जा रही है। पंजाब से अकाली दल महाराष्ट्र से शिवसेना, बिहार से जेडीयू तथा राजद यूपी से बसपा और दक्षिण भारत सहित देश के अन्य तमाम राज्यों से कितने दलों का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों ने जो इंडिया के नाम से एक संयुक्त मोर्चा बनाया था भले ही वह नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे नेताओं के अहम ने उसे सफल नहीं होने दिया हो लेकिन इसके बावजूद भी उसने 400 पार का नारा देने वाली भाजपा को 240 पर ही लाकर खड़ा कर दिया था मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के सुशासन बाबू जो अब पूर्व सीएम हो चुके हैं उनका तथा उनके दलों का भविष्य क्या होगा यह तो आने वाला समय ही तय करेगा, हां उसे भाजपा को किए गए असाधारण सहयोग से मोदी की सरकार अपनी सफलता की नई कहानी लिखने में सफल जरूर रही है। आने वाले दिनों में पंजाब में चुनाव होना है जहां आप की सरकार है। इसके बाद उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के चुनाव हैं देखना होगा कि दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के बाद पश्चिम बंगाल में विजय पताका फहराने वाली भाजपा अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी को कितना नुकसान पहुंचाती है। जिस तरह तेजी से क्षेत्रीय क्षत्रपों का सफाया हो रहा है उतनी ही तेजी से भाजपा बुलंदियों की ओर अग्रसर है। विपक्ष के नेताओं को यह समझ ही नहीं आ रहा है कि यह हो क्या रहा है क्योंकि भाजपा ने उन्हें एसआईआर तथा स्टीन फाइल जैसे मुद्दों में या फिर नारी वंदन अधिनियम जैसे मुद्दों में उलझा रखा है। या फिर विपक्षी नेता सीबीआई और ईडी के फंदे से बचने की जोड़ जुगाड़ में ही लगे रहते हैं। इस सभी हालातो के बीच एक अहम सवाल यह है कि जिस लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है उसने भाजपा के वर्तमान चाल चरित्र और चेहरे को इस रूप में स्वीकार कर लिया है जैसी भाजपा और उसके नेता हैं? उसकी चुनावी जीत तो यही बताती है। अगर जनता को वह सब स्वीकार नहीं होता जो सत्ता में रहकर भाजपा के नेता या सरकारें कर रही हैं तो फिर उसे वह वोट क्यों देती? अगर यह सच नहीं है तो क्या वह सच है जिसमें ममता बनर्जी 100 सीटों की चोरी करने की बात कह रही है या फिर यह सच है कि देश से लोकतंत्र खत्म हो चुका है, आप भी इस पर मंथन कीजिए?

इन्वेस्टमेन्ट के नाम पर करोडों की ठगी करने वाले गैंग का सदस्य गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। इन्वेस्टमेन्ट के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले गैंग के एक सदस्य को एसटीएफ ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। करोड़ों रूपये की इस ठगी प्रकरण में इस गैंग के मास्टर माइंड सहित अब तक 5 शातिरों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि श्रीनगर, पौडी गढवाल के निवासी नागरिक द्वारा साइबर ठगी के सम्बन्ध में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून में शिकायत दर्ज करायी गयी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि अक्टूबर से दिसम्बर 2025 के मध्य अज्ञात साइबर ठगों (कथित रजत वर्मा व मीना भट्ट आदि) द्वारा उसे एक लिंक के माध्यम से एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोडा गया था व प्रतिदिन 5 प्रतिशत से अधिक कमाने का झांसा देकर एक लिंक के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करवाया गया और निवेश के नाम पर विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से रुपये जमा करवाकर कुल लगभग 1,31,76,000/- (एक करोड़ इकतीस लाख छिहत्तर

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

विस चुनाव 2027 के प्रमुख मुद्दे (भाग-3)

विधानसभा चुनाव 2027 से पहले पहाड़ की सियासत में तीसरे मोर्चे की आहट

'तीसरी ताकत' 2027 का असली 'सस्पेंस'

●पहाड़ पर तीसरे की दस्तक, वोटकटवा या बनेगा सत्ता का सारथी
●इस विस चुनाव चलेगी बदलाव की बयार या पिफर वही पुरानी राह
●बागी नेता तीसरे मोर्चे से मिले तो कई सीटों पर मुकाबला दिलचस्प

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की शांत वादियों में 2027 के विधानसभा चुनावों की राजनीतिक तपिश अभी से महसूस होने लगी है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि इस बार मुकाबला केवल हाथ और कमल के बीच नहीं है, बल्कि परदे के पीछे से सक्रिय तीसरी ताकत और निर्दलीय दिग्गजों ने बड़े दलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। उत्तराखंड आंदोलन की पृष्ठभूमि से निकले कई क्षेत्रीय दल वर्षों से यह दावा करते रहे हैं कि राष्ट्रीय दल पहाड़ के मूल मुद्दों को समझने में असफल रहे हैं। भू-कानून, मूल निवास, पलायन, बेरोजगारी, गैरसैंण, जल-जंगल-जमीन और पहाड़ी अस्मिता जैसे मुद्दों को लेकर समय-समय पर नई राजनीतिक ताकतें सामने आती रही हैं।

अब 2027 से पहल राजनैतिक दल जनता के बीच यह संदेश देने में जुटे हैं कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने उत्तराखंड की उम्मीदों को पूरा नहीं किया। यही कारण है कि क्षेत्रीय विकल्प की जमीन बनाने की कोशिश हो रही है। उत्तराखंड में कई सीटें ऐसी हैं, जहां जीत-हार का अंतर बेहद कम रहता है। ऐसे में तीसरा मोर्चा भले सरकार न बना पाए, लेकिन वह हजारों वोट काटकर समीकरण बदल सकता है। यही वजह है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों की नजर छोटे दलों और बागी नेताओं की गतिविधियों पर टिकी हुई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर तीसरा मोर्चा कुछ खास क्षेत्रों जैसे कुमाऊं के पर्वतीय इलाके, गढ़वाल के ग्रामीण क्षेत्र या तराई की कुछ सीटों पर प्रभावी हुआ, तो सीधा असर मुख्य दलों की जीत-हार पर पड़ सकता है। उत्तराखंड में तीसरे मोर्चे की सबसे बड़ी चुनौती संगठन और संसाधनों की कमी रही है। चुनाव के समय मुद्दे तो जनता को आकर्षित करते हैं, लेकिन बूथ स्तर तक मजबूत नेटवर्क न होने के कारण क्षेत्रीय दल अक्सर कमजोर पड़ जाते हैं।

चेहरों की भीड़

राज्य की 70 विधानसभा सीटों पर नजर डालें तो हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल जैसे मैदानी जिलों में बहुजन समाज पार्टी और आप का बढ़ता प्रभाव कांग्रेस के कोर वोट बैंक में सेंध लगा रहा है। वहीं, पहाड़ की सीटों पर उत्तराखंड क्रांति दल मूल निवास और सशक्त भू-कानून के भावनात्मक मुद्दों को लेकर भाजपा के राष्ट्रवाद को चुनौती देने की तैयारी में है। पिछली बार के आंकड़ों पर गौर करें तो उत्तराखंड में कई सीटें ऐसी थीं जहाँ जीत का अंतर 1000 से 2000 वोटों के बीच रहा। 2027 में वोटकटवा की भूमिका निभाने वाले प्रत्याशी निर्णायक साबित होंगे।

इसके अलावा चुनाव आते-आते कई नेता बड़े दलों में शामिल हो जाते हैं, जिससे तीसरे विकल्प की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। यही कारण है कि अब तक प्रदेश में कोई भी क्षेत्रीय शक्ति स्थायी राजनीतिक विकल्प नहीं बन पाई। इस बार परिस्थितियां कुछ अलग भी नजर आ रही हैं। बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, पलायन और स्थानीय अधिकारों के मुद्दे युवाओं के बीच चर्चा में हैं। यदि कोई तीसरा मोर्चा इन मुद्दों को मजबूती से उठाता है और साफ नेतृत्व प्रस्तुत करता है, तो उसे युवाओं और नाराज मतदाताओं का समर्थन मिल सकता है।

हालांकि राजनीति के जानकार मानते हैं कि सिर्फ भावनात्मक मुद्दों से चुनाव नहीं जीते जाते। जनता अब स्थिर नेतृत्व और मजबूत संगठन भी चाहती है। भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों में टिकट वितरण के बाद असंतोष की संभावना रहती है। ऐसे में बागी नेता यदि तीसरे मोर्चे के साथ आते हैं तो कई सीटों पर मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। पिछले चुनावों में भी बागियों ने कई जगह मुख्य दलों का गणित बिगाड़ा था।

उत्तराखंड में अभी तक तीसरा मोर्चा सत्ता तक नहीं पहुंच पाया है, लेकिन उसने कई बार चुनावी परिणामों को प्रभावित जरूर किया है। 2027 में भी यह फैक्टर महत्वपूर्ण रहने वाला है। यदि क्षेत्रीय दल साझा रणनीति, मजबूत चेहरा और जमीनी संगठन तैयार कर लेते हैं, तो मुकाबला रोचक हो सकता है। लेकिन यदि वह केवल मुद्दों तक सीमित रहे और एकजुटता नहीं दिखा पाए, तो फिर उन पर वोट कटवा होने का आरोप और मजबूत हो जाएगा। फिलहाल इतना तय है कि उत्तराखंड की चुनावी राजनीति में तीसरे मोर्चे की हलचल ने भाजपा और कांग्रेस दोनों की चिंता बढ़ा दी है। 2027 का चुनाव सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक विकल्प की तलाश का भी चुनाव बनता नजर आएगा।

रीजनल पार्टी ने भाजपा को बादाम भेजकर याद दिलाया लोकायुक्त का वादा

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। लोकायुक्त गठन के वादे को याद दिलाने के लिए राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी (आरआरपी) के कार्यकर्ता आज भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। पुलिस ने कार्यालय से पहले बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने मौके पर धरना देकर जमकर नारेबाजी की।

7 मई 2026 को सुबह 10 बजे नेहरू कॉलोनी, फवारा चौक से कूच कर पहुंचे आरआरपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने आगे नहीं बढ़ने दिया। प्रदर्शनकारियों ने "लोकायुक्त दो, वादा निभाओ" जैसे नारे लगाए।

नायब तहसीलदार सुरेश सेमवाल मौके पर पहुंचे और पार्टी नेताओं से ज्ञापन तथा बादाम का गिफ्ट हैंपर प्राप्त किया। उन्होंने इसे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट तक पहुंचाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवप्रसाद सेमवाल ने कहा, "भाजपा ने 2017 में 100 दिनों में लोकायुक्त बनाने का वादा किया था। 9 साल बीत गए, दो बार सरकार बनी, लेकिन वादा आज भी अधर में है। हम

शांतिपूर्ण तरीके से सिर्फ वादा याद दिलाने आए थे।"

प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना ईष्टवाल ने कहा, "आज का कार्यक्रम सफल रहा। हमने बादाम भेंट के माध्यम से अपना संदेश दिया है। यदि जल्दी लोकायुक्त का गठन नहीं किया गया तो हमारा आंदोलन और तेज होगा।"

उत्तराखंड आंदोलन प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला पटवाल ने कहा, "लोकायुक्त के बिना भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग सकता। उत्तराखंड आंदोलन की भावना को जिंदा रखते हुए हमारा संघर्ष जारी रहेगा।" राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने अन्य राजनीतिक दलों और जनसंगठनों से इस मुद्दे पर समर्थन देने की अपील की है।

इस कार्यक्रम मे शिवप्रसाद सेमवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुलोचना ईष्टवाल प्रदेश अध्यक्ष ,भगवती प्रसाद नौटियाल प्रदेश अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ ,भगवती प्रसाद गोस्वामी जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ, ऊषा डोभाल समानता पार्टी महिला अध्यक्ष, अनिल डोभाल,पंकज उनियाल, स्वाभिमान मोर्चा रायपुर प्रभारी, सुरेन्द्र चौहान ,शुशीला पटवाल ,बसंती गोस्वामी, योगानंद उनियाल, मीना थपलियाल ,रजनी कुकरेती,मंजू रावत. यसोदा रावत,सुमन रावत,शांति चौहान, आशा चौहान, दुर्गा नौटियाल सत्या प्रकाश गौड़ जी, सुरेशानंद डोभाल, रघुवीर सिंह बिष्ट,शैलेंद्र नैगी आदि कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ने लिया ओलावृष्टि से हुए नुकसान का जायजा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने आज भीमताल विधानसभा के धारी, सुन्दर खाल, सुन्दरनगर, दाडीम, ओड़ाखान, तल्लारामगढ़, झूतिया, बोहराकोट, डाकबंगला आदि गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया।

मंत्री राम सिंह कैड़ा ने जिलाधिकारी नैनीताल से वार्ता कर कहा विधानसभा क्षेत्र भीमताल के अंतर्गत ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ व भीमताल में ओलावृष्टि व आधी तूफान से किसानो के आड़ू, पुलम, खुमानी , मटर, मिर्च, टमाटर आलू नष्ट हो गये है, किसानो की फसल खत्म हो गई है जिस कारण किसान परेशान है। बेमौसमी वर्षा, ओलावृष्टि व आंधी तूफान से किसानों को काफी नुकसान हो गया है जिस कारण किसानों को दोहरी मार पड़ गई है जिस कारण काफी काफी नुकसान हो गया है। मंत्री कैड़ा ने जिलाधिकारी से गाँव गाँव उद्यान व कृषि विभाग की टीमें भेज किसानों की फसलों को हुए नुकसान का आकलन कराकर उचित मुवावजा देने को कहा, अन्य समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियो को फोन कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

गदेरे में गिरे मवेशी को फायर टीम ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

संवाददाता

उत्तरकाशी। गदेरे में गिरे मवेशी को फायर टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित रेस्क्यू किया। मिली जानकारी के अनुसारे उत्तरकाशी नाकुरी के पास नदी में एक गाय फंसी होने की सूचना पर फायर सर्विस उत्तरकाशी की टीम द्वारा तुरन्त घटनास्थल पर पहुँचकर रास्सों एवं स्थानीय व्यक्तियों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद बेजुवान मवेशी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया तथा पशु चिकित्सक को बुलाकर उपचार करवाया गया। गाय नाकुरी रेणुका होटल के पास पुल के नीचे गदेरे में गिर गयी थी, पैर में चोट लगने के कारण बेजुवान को चलने मे दिक्कत आ रही थी।

पुलिस अधीक्षक ने किया सीमा पर स्थित चौकी क्षेत्र का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। वर्तमान में जनपद रुद्रप्रयाग में संचालित श्री केदारनाथ धाम यात्रा अपने चरम पर है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं वाहनों के निरंतर बढ़ते

दबाव के दृष्टिगत रुद्रप्रयाग पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में आज पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग द्वारा जनपद की सीमा पर स्थित चौकी जखोली क्षेत्रान्तर्गत चिरबिटिया क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

चिरबिटिया मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग के अतिरिक्त यात्रा हेतु एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक प्रवेश मार्ग है, जहां से निरंतर यात्री वाहनों का आवागमन हो रहा है। पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिये कि वैकल्पिक मार्गों से आने वाले वाहनों को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाय, ताकि मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करने तथा उन्हें मार्ग एवं मौसम संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराने पर कराने हेतु पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय पुलिस बल के साथ यातायात व्यवस्था का जायजा लिया तथा यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

उत्तराखंड के पहाड़ों की संस्कृति में प्रकृति के साथ गहरे रिश्ते की अनोखी परंपरा

ऊमीः अन्न, आस्था और प्रकृति का पर्व

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों में एक परंपरा है, जो आज भी पहाड़ के गांवों में निभाई जाती है। फाल्गुन की विदाई और चौत्र के आगमन के साथ ही

❑नए गेहूँ का पहला दाना पहले देवता के नाम, फिर हमारे लिए बनता है प्रसाद
❑'ऊमी' निकालने की परंपरा सिर्फ अन्न का भोग नहीं, बल्कि यह है एक सोच
❑प्रकृति के प्रति सम्मान, जीवन के प्रति आभार और समाज के प्रति जुड़ाव

जब खेतों में गेहूँ की बालियाँ सुनहरी आभा बिखेरने लगती हैं, तो ग्रामीण भारत की फिजाओं में एक खास तरह की सोंधी खुशबू घुल जाती है। यह खुशबू है 'ऊमी' की होती है।

पहाड़ में गेहूँ की कच्ची-पक्की बालियों को धीमी आंच पर भूनकर जब इन्हें हाथों से रगड़कर दाने निकाले जाते हैं, तो वह 'ऊमी' कहलाती है। पहाड़ के गांवों में नए अन्न का पहला दाना घर का कोई सदस्य तब तक नहीं चखता, जब तक इसे कुल देवता, क्षेत्रपाल या ग्राम देवता को अर्पित न कर दिया जाए। मान्यता है कि क्षेत्रपाल देवता ने कड़कती धूप और ठंड में फसल की रक्षा की है, इसलिए पहला हक उन्हीं का है।

उत्तराखंड के पहाड़ी जीवन में हर परंपरा के पीछे प्रकृति, आस्था और जीवन दर्शन का अद्भुत मेल दिखाई देता है। इस परंपरा के पीछे गहरी मान्यता है कि अन्न केवल मानव श्रम का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति और दैवीय कृपा का संयुक्त वरदान है। इसलिए इसे सीधे उपभोग करने से पहले उस शक्ति को समर्पित करना आवश्यक माना जाता है, जिसने इसे संभव बनाया।

आज के दौर में तेजी से बदलती जीवनशैली और शहरीकरण के कारण ऐसी परंपराएं धीरे-धीरे कम होती जा रही हैं। खेतों से जुड़ाव कम हो रहा है और बाजार आधारित जीवन शैली बढ़ रही है। इसके बावजूद कई गांवों में आज भी ऊमी को उत्साह के साथ बनाकर उत्सव के रूप में मनाते हैं। आज जब दुनिया पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है, तब पहाड़ की यह परंपरा हमें सिखाती है कि प्रकृति के साथ संतुलन और सम्मान ही सच्ची समृ(का मार्ग है।

गांवों के आंगन में उर्मी की खुशबू

अग्नि में तपे इन दानों को जब गुड़ या शक्कर के साथ मिलाकर भगवान को भोग लगाया जाता है, तो वह ऊमी एक दिव्य प्रसाद में बदल जाती है। गाँव की चौपालों और आंगन में जब घर-घर से ऊमी की खुशबू आती है, तो मानों पूरी प्रकृति उत्सव मना रही होती है। बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि यह प्रसाद परिवार में सुख-शांति और अन्न के भंडार भरे रहने का प्रतीक है। आयुर्वेद के अनुसार)तु परिवर्तन के समय नया अनाज सीधे खाना भारी हो सकता है, लेकिन अग्नि में भूनने से यह सुपाच्य और हल्का हो जाता है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है और शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

मानसून पूर्व जलभराव समस्या के समाधान के लिए डीएम ने की बैठक

हमारे संवाददाता

टिहरी। जलभराव की समस्या के निदान एवं मानसून अवधि की तैयारियों को लेकर आज प्रभारी जिलाधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं नगर निकायों द्वारा की जा रही तैयारियों एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी नगर निकायों से वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि आगामी 10 दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मानसून से पूर्व फॉगिंग अभियान प्रारंभ कराने, आमजन को जलभराव रोकने हेतु जागरूक करने तथा रैन बसेरों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालियों की नियमित सफाई, झाड़ी कटान तथा जल निकासी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। साथ ही आपदा प्रबंधन से संबंधित उपकरणों का स्टॉक चेक करने तथा जिन उपकरणों के प्रतिस्थापन की आवश्यकता है, उन्हें तत्काल बदलने के निर्देश भी दिए।

प्रभारी जिलाधिकारी ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, सड़कों के किनारे मलबा एकत्रित न होने देने तथा सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य 30 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जनसामान्य को समय पर सूचना उपलब्ध कराने हेतु अनाउंसमेंट उपकरणों एवं वाहनों की समुचित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थापित मोबाइल टॉयलेट्स की नियमित साफ-सफाई एवं पानी की सुचारु व्यवस्था बनाए रखने को भी कहा गया। बैठक में जनपद में वर्तमान जलभराव एवं निकासी से संबंधित प्रगतिरत योजनाओं की जानकारी देते हुए अनुराग रंजन द्वारा पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मौजूदा ड्रेनेज नेटवर्क की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में नगर पालिका परिषद ने टिहरी के अध्यक्ष मोहन रावत, एडीएम शैलेंद्र नेगी, आईएएस (प्रशिक्षु) ज्योति, गणेश प्रसाद नौटियाल, सिंचाई विभाग से कोमल सिंह, दरमियान सिंह, नैना रावत, प्रीतम सिंह एवं संबंधित भौतिक एवं वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

हेडफोन या ईयरफोन, आपके लिए कौन सा है ज्यादा बेहतर?

गैजेट फ्रेंडली इस जनरेशन में हर कोई लेटेस्ट गैजेट्स खरीदना चाहता है, चाहे लेटेस्ट फोन हो, ईयरफोन हो या हेडफोन हो आजकल अधिकतर लोग लेटेस्ट गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कानों में लंबे समय तक ईयरफोन या हेडफोन लगाने से आपको कई नुकसान भी पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आपको ईयरफोन या हेडफोन का इस्तेमाल करना है तो इसमें से कौन सा बेहतर है और किससे आपके कानों को कम नुकसान पहुंचता है, आइए हम आपको बताते हैं।

ईयरफोन और हेडफोन में अंतर

सबसे पहले आपको बताते हैं कि ईयरफोन और हेडफोन में अंतर क्या होता है? ईयरफोन कान के अंदर पहने जाते हैं, यह वायरलेस हो सकते हैं या बाहर वायर होते हैं और आजकल तो ईयरपॉड्स का भी खूब चलन है, जिसे लोग कानों के अंदर पहनते हैं। वहीं, हेडफोन सिर के ऊपर से लगाए जाते हैं और यह पूरे कान को कवर करते हैं, लेकिन अंदर तक नहीं जाते हैं।

ईयरफोन बनाम हेडफोन क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

यूं तो ईयरफोन और हेडफोन दोनों ही कानों को नुकसान पहुंचाते हैं और अगर लंबे समय तक इन्हें पहनकर रखा जाए तो इससे नॉइस इंड्यूस्ड हियरिंग लॉस की समस्या भी हो सकती है। लेकिन एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि ईयरफोन को ईयर केनाल के अंदर डाला जाता है, ऐसे में वह कान में मौजूद वैक्स को गहराई में ढकेल सकता है जिससे कानों में ब्लॉकेज हो सकती है। दूसरा यह सीधे हमारे कानों के पर्दों को प्रभावित करता है, ऐसे में इसकी वॉल्यूम बढ़ाने से कान को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इतना ही नहीं ईयरफोन को पहनने से कान पूरी तरह से बंद हो जाते हैं जिससे नमी के कारण संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है।

ईयरफोन या हेडफोन में से हमें क्या पहनना चाहिए इसे लेकर एक्सपर्ट्स का मानना है कि कुछ समय के लिए ईयरफोन की जगह हेडफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि यह कानों के अंदर तक नहीं जाता है, जिससे नमी या नॉइस इंड्यूस्ड हियरिंग की समस्या नहीं होती है। हालांकि, हेडफोन का यूज करते समय इसकी वॉल्यूम अधिकतम 60 प्रतिशत तक ही होनी चाहिए। अगर आपके फोन या लैपटॉप में नॉइस कैंसिलेशन का ऑप्शन है, तो इसे भी आपको इस्तेमाल करना चाहिए।

क्या भारतीयों के लिए भी सही है कीटो डाइट? जानिए पूरा सच

कीटो डाइट एक ऐसी खाने की योजना है, जिसमें शरीर को कार्बोहाइड्रेट्स की बजाय चर्बी को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जाता है। यह डाइट वजन घटाने के लिए काफी लोकप्रिय है, लेकिन क्या यह भारतीयों के लिए भी सही है? इस लेख में हम कीटो डाइट के फायदों और नुकसान पर चर्चा करेंगे, जिससे आप समझ सकें कि क्या यह आपके लिए उपयुक्त है या नहीं।

क्या है कीटो डाइट?

कीटो डाइट मुख्य रूप से अधिक चर्बी, सामान्य प्रोटीन और कम कार्बोहाइड्रेट पर आधारित होती है। इसका मुख्य उद्देश्य शरीर को एक ऐसी स्थिति में लाना है, जहां वह चर्बी को ग्लूकोज के बजाय ऊर्जा के रूप में उपयोग करता है। इस डाइट में मांस, अंडे, पत्तेदार सब्जियां, नट्स और बीज शामिल होते हैं। हालांकि, इसमें चावल, रोटी और अन्य सामान्य भारतीय खाद्य पदार्थों की मात्रा बहुत कम होती है।

वजन घटाने में मददगार?

कीटो डाइट वजन घटाने के लिए काफी असरदार मानी जाती है। जब शरीर ग्लूकोज की बजाय चर्बी को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करता है तो वजन तेजी से घट सकता है। कई लोग इस डाइट को अपनाकर कुछ ही हफ्तों में अच्छे परिणाम देखते हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि हर किसी के लिए यह डाइट उतनी ही असरदार हो। कुछ लोगों को शुरूआत में ही सिरदर्द या कमजोरी महसूस हो सकती है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

कीटो डाइट के कई सेहत से जुड़े फायदे भी हो सकते हैं, जैसे कि रक्त शर्करा स्तर में सुधार और दिल की बीमारी का खतरा कम होना। इसके अलावा यह डाइट शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में भी मदद कर सकती है। हालांकि, लंबे समय तक इस डाइट पर रहना मुश्किल हो सकता है और इससे जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। इसलिए इसे संतुलित तरीके से अपनाना चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

क्या सभी के लिए उपयुक्त है यह डाइट?

हर व्यक्ति की शारीरिक बनावट अलग होती है, इसलिए जो डाइट एक व्यक्ति के लिए सही हो, वह दूसरे के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। भारतीय खान-पान में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा अधिक होती है, ऐसे में अचानक कीटो डाइट अपनाना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा कुछ लोगों को पहले से ही किसी प्रकार की सेहत की समस्या हो सकती है, जिनके लिए यह डाइट सही नहीं हो सकती। इसलिए व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ही कोई निर्णय लें।

क्या हैं इसके नुकसान?

कीटो डाइट के कुछ नुकसान भी हो सकते हैं, जैसे कि कीटो फ्लू जिसमें सिरदर्द, उल्टी, थकान आदि शामिल होते हैं। इसके अलावा लंबे समय तक इस डाइट पर रहने से जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिससे सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर आप कीटो डाइट अपनाना चाहते हैं तो पहले अपने डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से सलाह लें और संतुलित तरीके से इसे अपनाएं।

कमर दर्द से हैं परेशान तो हो जाएं सावधान!

कमर दर्द आम तौर पर बहुत से लोगों को होता है। इसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि अच्छी तरह से न उठना-बैठना, अधिक समय तक बैठे रहना, शारीरिक चोट, या अन्य अंदरूनी समस्याएँ। यदि कमर दर्द लगातार बना रहता है और आपको इससे बहुत परेशानी हो रही है,तो हो सकता है आपको ऑस्टियोपोरोसिस नामक बीमारी हो जिसमें हड्डियाँ कमजोर हो जाती हैं और टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह मुख्य रूप से बुढ़ापे में होती है, लेकिन आज कल यह युवाओं में भी देखने को मिल रहा है।

वर्तमान में देश में 6 करोड़ लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं, और इसमें चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। ऑस्टियोपोरोसिस जहां यह पहले 50 साल की उम्र में दिखाई देता था, लेकिन अब 30 से 40 की आयु में भी यह संख्या बढ़ती जा रही है।

जैसे-जैसे आयु बढ़ती है, हड्डियों की घनत्व में प्राकृतिक रूप से कमी होती है।

महिलाओं में मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी से हड्डियों की कमजोरी हो सकती है।

कैल्शियम और विटामिन ष्ठ की कमी से भी हड्डियों का घनत्व कम हो सकता है।

हड्डियों की कमजोरी जिससे आसानी से चोट आ सकती है। हड्डियों का आकार छोटा हो जाना। हल्की चोट से भी हड्डी टूट सकती है। कमर की हड्डी की कमजोरी के कारण झुकना।

कैल्शियम और विटामिन डी की पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। नियमित रूप से व्यायाम करना जैसे कि वॉकिंग, जोगिंग, और कम वजन उठाना। धूम्रपान और मदिरा से परहेज करें क्योंकि ये हड्डियों को कमजोर बना सकते हैं। नियमित अवधियों पर हड्डी की मजबूती का परीक्षण कराएं। अगर आवश्यक हो, तो डॉक्टर की सलाह पर ऑस्टियोपोरोसिस की दवाएँ लें।

बोन डेंसिटी टेस्ट, जिसे डेक्सा स्कैन भी कहा जाता है, एक विशेष प्रकार की एक्स-रे परीक्षण है जो हड्डियों के मिनरल घनत्व को मापता है। यह टेस्ट ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों का पता लगाने में मदद करता है और यह भी पता लगाने में मदद करता है कि आपकी हड्डियों में फ्रैक्चर का जोखिम कितना है।

सही एक्सरसाइज का चुनाव करने से नहीं होगा घुटनों में दर्द

अधिकतर लोग जब जिम जाना शुरू करते हैं तो वे समझ नहीं पाते कि कौन सी एक्सरसाइज करें और कौन सी ना करें। भले ही आप अपना वजन कम करने के लिए जिम गये हों या एब्स बनाने के लिए लेकिन जिम जाने से पहला अपना लक्ष्य ज़रूर निर्धारित कर लें और फिर उसी हिसाब से एक्सरसाइज का चुनाव करें। जब भी आप योग करना या जिम में एक्सरसाइज करना शुरू करते हैं तो आपके घुटनों पर बहुत ज्यादा जोर पड़ता है। जिस कारण से घुटनों में तेज दर्द होने लगता है। यही कारण है कि कुछ लोग एक हफ्ते तक जिम जाने के बाद जिम जाना छोड़ देते हैं।

सबसे जरूरी बात यह है कि जब भी जिम जायें तो शुरुवात में ही सारी ताकत ना झोंक दें बल्कि धीरे धीरे एक्सरसाइज करें। ऐसा कई लोगों के साथ होता है कि वे पहले दिन से ही हैवी एक्सरसाइज करने लगते हैं जिस कारण उनके घुटनों में दर्द होने लगता है। इसलिए ऐसा बिल्कुल न करें और शुरुवात में ट्रेडमिल पर स्पीड भी स्लो रखें।

कई लोग घुटनों में दर्द के कारण जल्द ही जिम जाना छोड़ देते हैं जबकि घुटनों में दर्द आपके गलत तरीके से एक्सरसाइज करने के कारण होता है। इसलिए जिम में किसी भी एक्सरसाइज को करने से पहले फिटनेस ट्रेनर से अच्छे से सीख लें फिर करें। कई लोग जिम में एक्सरसाइज करने से पहले स्ट्रेचिंग या वार्मअप नहीं करते हैं जिस कारण इंजरी होने का ख़तरा बढ़ जाता है। इसलिए अगली बार जब भी एक्सरसाइज करें उसके पहले वार्मअप ज़रूर कर लें। वार्मअप के लिए स्ट्रेचिंग के अलावा आप कुछ योगासन भी कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -026

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

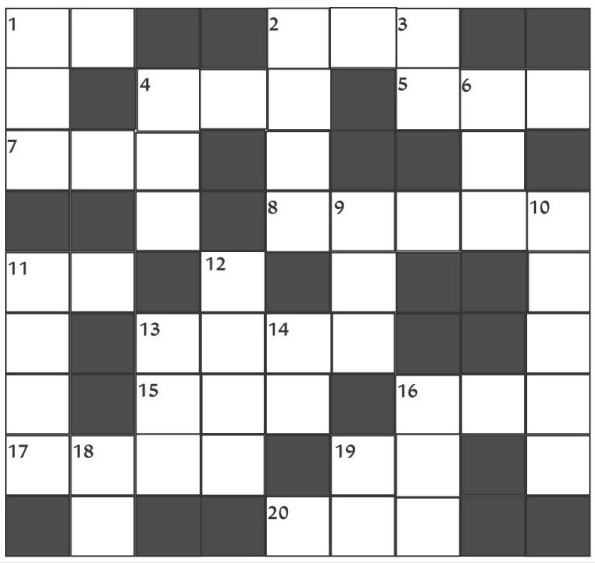

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 25 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्रा
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

विजय देवरकोंडा ने किया नई फिल्म वीडीएक्सशौर्यव का ऐलान!

तेलुगु अभिनेता विजय देवरकोंडा बीते कुछ महीनों से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। रश्मिका मंदाना से शादी के ठीक बाद उनकी फिल्म रणबाली का पोस्टर जारी हो गया, जिसमें उनके साथ रश्मिका भी नजर आएंगी। अब विजय देवरकोंडा ने निर्देशक शौर्यव के साथ अपनी नई फिल्म वीडीएक्सशौर्यव का ऐलान कर दिया है। घोषणा के साथ ही उन्होंने फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें वे एक दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। वीडीएक्सशौर्यव का फर्स्ट-लुक पोस्टर जैसे ही इंटरनेट पर जारी हुआ, तेजी से लोकप्रिय हो गया और अब प्रशंसक विजय देवरकोंडा के प्रभावशाली लुक की खूब तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए विजय देवरकोंडा ने लिखा, मेरी अगली फिल्म है - वीडीएक्सशौरयुव। इस चुनौतीपूर्ण फिल्म को बनाने के चुनौतीपूर्ण कार्य को हाथ में लेने वाली टीम से मिलिए। शौर्यव और उनकी बेमिसाल कल्पनाशीलता और गहन हृदय के साथ इस धमाकेदार वैश्विक टीम के साथ काम करके बेहद खुश हूं। दहाड़ो मेरे दोस्तों। मैं अपना सब कुछ दूंगा। बेहद उत्साहित हूं और ढेर सारा प्यार।

विजय देवरकोंडा द्वारा घोषणा पोस्ट साझा करने के बाद से ही सोशल मीडिया यूजर्स और सेलेब्रिटीज ने कमेंट सेक्शन में उत्साह भरे संदेशों की बाढ़ ला दी है। अंगद बेदी ने लिखा, बधाई हो, शानदार घोषणा शौर्यव गारू विजय देवरकोंडा। मृणाल ठाकुर ने भी कमेंट करते हुए लिखा, चलो चलें! एक फैन ने कमेंट करते हुए लिखा- पोस्टर ने ही सब कह दिया है, ये बहुत बड़ी होने वाली है।

अस्थायी रूप से वीडीएक्सशौरयुव टाइटल वाली इस फिल्म का निर्माण व्यारा एंटरटेनमेंट्स कर रही है, जिसने मृणाल ठाकुर और नानी की फिल्म ही नन्ना का भी निर्माण किया था। हालांकि, फिल्म की कहानी और स्टार कास्ट के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है। वहीं विजय देवरकोंडा की बात करें तो उनके पास कई प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं, जिनमें रणबाली और राउडी जनार्दन शामिल हैं।(आरएनएस)

चांद मेरा दिल का टाइटल ट्रैक रिलीज, अनन्या लक्ष्य की केमिस्ट्री ने बिखेरा प्यार का जादू

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की अपनी एक अलग पहचान रही है। इन दिनों चांद मेरा दिल को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है। लंबे इंतजार के बाद फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। गाने को खासतौर पर युवाओं के बीच काफी पसंद किया जा रहा है और इसे इस साल के सबसे खूबसूरत रोमांटिक गानों में गिना जा रहा है।

गाने में अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की जोड़ी देखने को मिल रही है। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे कॉलेज में दोनों के बीच धीरे-धीरे पनपता प्यार है। कभी वे बाइक पर साथ घूमते है, तो कभी एक-दूसरे को छुपकर देखते है। दोनों छोटे-छोटे पलों में खुशी ढूंढते है। इस गाने को फहीम अब्दुल्ला ने गाया है, वहीं संगीत सचिन-जिगर ने तैयार किया है।

जबकि गाने के बोल अमित भट्टाचार्य ने लिखे हैं। फहीम अब्दुल्ला ने कहा, चांद मेरा दिल गाने में एक मासूम भावना है, जिसने मुझे इस गाने के ओर आकर्षित किया। यह गाना सिर्फ प्यार की बात नहीं करता, बल्कि उन छोटे-छोटे खास पलों को दिखाता है, जो असल में प्यार को खास बनाते हैं। मैंने कोशिश की कि अपनी आवाज में वही अपनापन लाऊं, ताकि हर सुनने वाला इस गाने से जुड़ सके।

सचिन-जिगर ने कहा, हमारा मकसद ऐसा गाना बनाना था जो हमेशा याद रहे, लेकिन साथ ही नया भी लगे। हमने गाने को बहुत सिंपल रखा, ताकि भावनाएं साफ महसूस हो सके और सुनने वाले के दिल में बस जाए। अगर फिल्म की बात करें तो चांद मेरा दिल में दो युवाओं की कहानी दिखाई गई है, जो कॉलेज के दौरान मिलते हैं और धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आते हैं।

अन्नया पांडे फिल्म में चांदनी और लक्ष्य लालवानी आरव का किरदार निभा रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री कहानी का सबसे मजबूत पक्ष मानी जा रही है। फिल्म की कहानी में प्यार के साथ-साथ रिश्तों की जटिलता भी दिखाई गई है। जहां शुरुआत में सब कुछ खूबसूरत और आसान लगता है, वहीं आगे चलकर कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जो सभी की जिंदगी बदल देते है।

फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जबकि इसका निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। चांद मेरा दिल 22 मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।(आरएनएस)

मृणाल ठाकुर बोलीं- चंकी पांडे को अपने पति के रूप में देख हिल गई थी मैं

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर को अजय देवगन अभिनीत फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में देखा गया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। उधर मृणाल का भी इस फिल्म में काम करने का अनुभव अच्छा नहीं रहा। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि इस फिल्म में हुए अचानक बदलावों और उनकी भूमिका के साथ किए गए रचनात्मक समझौतों ने उन्हें काफी आहत किया। क्या कुछ बोलीं मृणाल, आइए जानते हैं।

मृणाल ने स्वीकार किया कि फिल्म का फाइनल कट देखने के बाद उनका विश्वास डगमगा गया। उन्होंने बताया कि उन्हें ये जानकारी नहीं थी कि फिल्म में चंकी पांडे उनके पति की भूमिका निभाएंगे। एक सीनियर एक्टर का उनके पति के रूप में होना उनके लिए अप्रत्याशित था। जब 33 वर्षीय अभिनेत्री को ये बात पता चली तो वो दंग रह गईं। इन बातों ने न केवल मृणाल को झकझोर दिया, बल्कि इससे उनके भरोसे को भी ठेस पहुंची है।

मृणाल बोलीं, मुझे नहीं पता था कि एक बहुत ही सीनियर अभिनेता मेरे पति की भूमिका निभाने वाले हैं, क्योंकि ये चीज मेरी... उस उम्मीद को ही बदल देती है, जो मैंने इस फिल्म से की थी तो वहां मैं नाकाम रही, क्योंकि वहां मेरा भरोसा डगमगा गया था, लेकिन आप जानते हैं क्या, मुझे कोई पछतावा नहीं है। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मृणाल ने अभिनेता चंकी पांडे की पत्नी की भूमिका निभाई थी।

मृणाल ने एक बेहद भावुक दृश्य का जिक्र किया, जहां वो अपनी भतीजी के बेहतर भविष्य के लिए अपनी निजी जिंदगी का त्याग कर देती हैं। वो बोलीं, मुझे नहीं पता था कि मेरे 2 इतने महत्वपूर्ण दृश्य एडिटिंग के दौरान काट दिए जाएंगे... वो पूरी कहानी ही गायब थी। हालांकि, मृणाल ने स्पष्ट किया कि इन सब के बावजूद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। फिल्म की टीम के साथ उनके संबंध आज भी मधुर हैं।

साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म की अगली कड़ी, सन ऑफ सरदार 2 में कई शानदार कलाकार नजर आए। इसमें अजय देवगन ने एक बार फिर जस्सी की भूमिका निभाई, मृणाल राबिया के रूप में दिखीं और उनके साथ रवि किशन, नीरू बाजवा, दीपक डोबरियाल ने भी फिल्म में अहम किरदार निभाए। हालांकि, 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म दुनियाभर में महज 60 करोड़ रुपये जुटा पाई थी।

15 मई को दस्तक देगी आयुष्मान खुराना-सारा अली की फिल्म पति पत्नी और वो दो

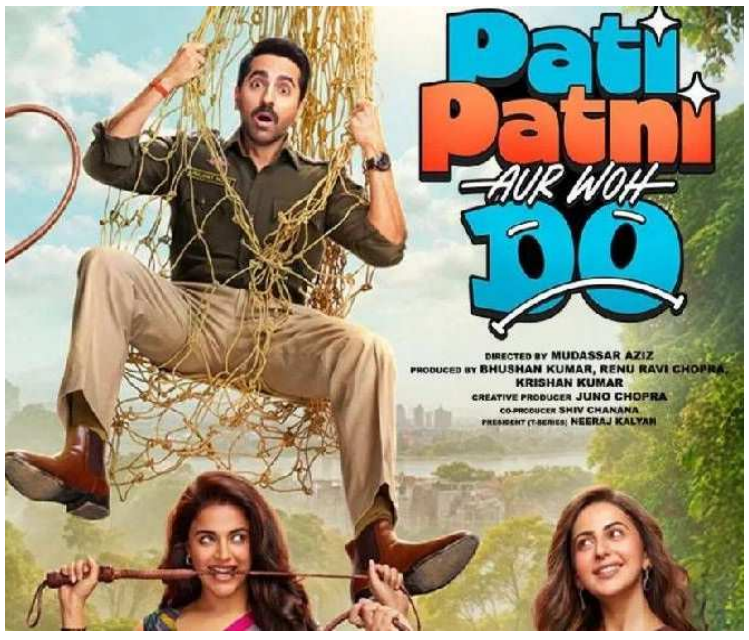

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अपकमिंग फिल्म पति पत्नी और वो दो में पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म में वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगी। दर्शक इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, जो अब खत्म हो चुका है। मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। पैंस के लिए एक और खुशी की बात यह है कि आखिरकार फिल्म का पहला लुक पोस्टर जारी कर दिया, जिसमें आयुष्मान खुराना का नया किरदार प्रजापति पांडे दिखाई दे रहा है।

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की साथ में पहली फिल्म पति पत्नी और वो दो 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पति पत्नी और वो दो का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने फिल्म की कहानी के बारे में एक हिंट दिया और लिखा, शिकारी खुद हो गया शिकार! अब जाल में फंस गए हमारे प्रजापति पांडे। हो जाओ पति पत्नी और वो दो के लिए तैयार! सिनेमाघरों में 15 मई 2026 को! बता दें कि पिछले साल मेकर्स ने बताया था कि यह फिल्म 04 मार्च, 2026 को होली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, बाद में फिल्म की रिलीज टाल दी गई।

पोस्टर में उदास आयुष्मान खुराना जाल में फंसे हुए दिख रहे हैं, जिसे ऊपर से तीन औरतें पकड़े हुए हैं। इससे पता चलता है कि वह किसी मुश्किल हालात में फंस गए हैं। तस्वीर में वह एक चीते के बगल में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। यह पोस्टर लोगों को बहुत पसंद आ रहा है, जो उनके किरदार और कहानी की झलक दिखा रहा है।

पति पत्नी और वो दो के बाद आयुष्मान और सारा अली खान जासूसी कॉमेडी थ्रिलर फिल्म उड़ता तीर में भी साथ नजर आएंगे। एक्टर के पास ये प्रेम मोल लिया भी पाइपलाइन में है। वहीं, रकुल की तमिल फिल्म इंडियन 3 में दिखाई देंगी, जो अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। वामिका के पास भी अलग-अलग भाषाओं की कई फिल्में हैं।

मलबे के ढेर से मांडौ गांव में दहशत

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जिला मुख्यालय के नजदीक स्थित मांडो गदेरा आने वाली बरसात में फिर से तबाही मचा सकता है। गदेरे में भारी मात्रा में मलबा और पत्थर अभी भी बिखरे पड़े हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यदायी संस्था ने गदेरे को चैनेलाइज कर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर ली है और मलबा वहीं बिखरा पड़ा है। सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। मांडो गदेरा लंबे समय से बरसाती सीजन में आफत बना है। वर्ष 2021 में गदेरे में भारी उफान के कारण मांडौ गांव सहित ग्रामीणों की खेती को भारी नुकसान पहुंचा था। आज भी ग्रामीणों को नुकसान का मुआवजा नहीं मिला है। कई परिवार सरकार से राहत एवं पुनर्वास की मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई उस दिशा में आगे नहीं बढ़ पाई है। गदेरे में सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से क्षेत्रीय लोगों में दहशत बनी रहती है। मौजूदा समय में गदेरे में भारी मात्रा में मलबा और पत्थर जमा है। स्थानीय निवासी प्रताप चौहान, इंद्रेश ने आरोप लगाया कि कार्यदायी सिंचाई विभाग को गदेरे की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिली लेकिन काम ठीक से नहीं हुआ है। सिर्फ मलबा चैनेलाइज कर वहीं छोड़ा गया है। सुरक्षा के नाम पर हल्की गुणवत्ता के वायरक्रेट लगाए जा रहे हैं जो कि नाकाफी हैं। इस बार लगातार बारिश हो रही है। अभी से लोगों में भय का माहौल है।

शिक्षकों, कार्मिकों के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण की मांग

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों ने शिक्षक और कार्मिकों से जुड़े विभिन्न प्रकरणों को लेकर प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट से मुलाकात कर समस्याओं पर चर्चा की।

इस दौरान संगठन की ओर से एक सूत्रीय ज्ञापन भी सौंपा गया। संगठन ने सत्रांत लाभ, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, चयन और प्रोन्नत वेतनमान, सेवानिवृत्त प्रकरण तथा पेंशनरों के देयकों का शीघ्र निस्तारण करने की मांग उठाई। साथ ही प्रकरणों के निस्तारण के लिए समय सीमा तय करने और आपत्तियां एक ही बार में लगाने की व्यवस्था लागू करने का अनुरोध किया गया। संगठन पदाधिकारियों ने शिक्षा विभाग के कार्यालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग करते हुए कहा कि इससे कार्यों का समयबद्ध निस्तारण हो सकेगा और संबद्धीकरण की व्यवस्था समाप्त होगी। बैठक में निकट भविष्य में कार्मिकों, प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्यशाला आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा गया। प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए कहा कि ट्रेजरी और विभागीय विशेषज्ञों की मौजूदगी में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें अशासकीय प्रधानाचार्य, प्रबंधक, कार्मिक और संबंधित पटल सहायकों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि समस्याओं का समाधान किया जा सके।

सू- दोकू क्र.026

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.25 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भूखे-प्यासे लाइन में लगे, फिर भी नहीं मिले सिलिंडर

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। नगर के कमलेश्वर बागवान क्षेत्र में दो महीने के लंबे इंतजार के बाद रसोई गैस सिलिंडर की खेप पहुंची।

सिलिंडर आने की सूचना पर उपभोक्ता सुबह चार बजे से ही लाइन में खड़े हो गए। स्थिति यह थी कि उजाला होते-होते तक सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के मैदान में करीब 500 लोगों की भीड़ जमा हो गई। मगर सिलिंडर 288 को ही मिल पाए। इस पर लोगों ने आक्रोश जताया। गैस एजेंसी के प्रबंधन ने चार बाद फिर गैस का वाहन आने का आश्वासन दिया। वहीं पार्षद ने चेतावनी दी है कि यदि चार दिन के भीतर दोबारा गैस की आपूर्ति नहीं हुई, तो वे जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। बुधवार सुबह करीब 9 बजे जब इंडेन गैस एजेंसी का वाहन मैदान में पहुंचा तो महिलाओं और लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। व्यवस्था बनाने के लिए नगर निगम पार्षद सूरज नेगी अपनी टीम विजय, पंकज, बंटी, जगमोहन रावत और गौरव के साथ डटे रहे। इस दौरान स्थानीय लोगों और टीम के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। एजेंसी की गाड़ी में कुल 288 सिलिंडर थे जबकि कतार में 500 से अधिक लोग खड़े थे।

दोपहर 3 बजे तक गैस बांटी गई और फिर स्टॉक खत्म हो गया। इस पर लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि सुबह से भूख-प्यासे लाइन में लगे हैं लेकिन सिलिंडर नहीं मिला। पार्षद सूरज नेगी ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में गैस एजेंसी के मैनेजर से वार्ता की है। मैनेजर ने आश्वासन दिया कि जो लोग छूट गए हैं उन्हें चार दिन बाद अगली गाड़ी आने पर प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध कराई जाएगी।

नगर क्षेत्र में इंडेन गैस सिलिंडर की होम डिलिवरी नहीं हो रही है। लोग सिलिंडर बुक कराने कार्यालय में जा रहे हैं लेकिन उनके बुकिंग भी नहीं हो रही है। एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि ऑन स्पॉट ही सारी प्रक्रियाएं होंगी। इससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर क्षेत्र में इंडेन गैस एजेंसी के उपभोक्ताओं का बैकलॉग करीब 3000 है।

इस बैकलॉग को पूरा करने में एजेंसी के पसीने छूटे हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो कई महीनों से सिलिंडर का वाहन ही नहीं पहुंचा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि इंडेन गैस एजेंसी से वितरण सही तरीके से नहीं हो रहा है। वहीं इंडेन गैस एजेंसी के प्रभारी मैनेजर एनके कपरवाण का कहना है कि एक सप्ताह में स्थिति ठीक कर दी जाएगी। पुराना बैकलॉग भी है। हरिद्वार से ही सिलिंडर की आपूर्ति कम हो रही है। स्थिति ठीक होते ही होम डिलिवरी सुचारु कर दी जाएगी।

नाथूपुर व लालपानी में चिह्नित भवनों को खाली करने के निर्देश

कोटद्वार(आरएनएस)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) व स्थानीय प्रशासन की ओर से सनेह क्षेत्र में प्रस्तावित बाईपास को लेकर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी ला दी है। एनएचएआई व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम जेसीबी लेकर नाथूपुर व लालपानी क्षेत्र में पहुंची। उन्होंने प्रभावित परिवारों को अपने भवनों को चार से पांच दिन के भीतर स्वयं तोड़ने के लिए कहा। इस दौरान कई प्रभावित परिवारों का कहना था कि उनका मामला कोर्ट में विचाराधीन है और शासन ने अभी तक उन्हें न भूमि का मुआवजा दिया है और न भवन का। नायब तहसीलदार राजेंद्र प्रसाद सनवाल के नेतृत्व में दोनों विभागों की टीमें मौके पर पहुंची और उन्होंने नाथूपुर में भवन न तोड़ने वाले छह परिवारों व बिशनपुर लालपानी में दो परिवारों को अपने भवन तोड़ने के लिए कहा। उन्होंने राजस्व उपनिरीक्षक सीता को बृहस्पतिवार को नोटिस चस्पा करने के निर्देश भी दिए। कहा कि पांच दिन के भीतर स्वयं भवन न तोड़ने पर प्रशासन बल प्रयोग के द्वारा भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा। धर्मेंद्र, चतर सिंह, गोदांबरी देवी, अशोक कुमार, गोविंद सिंह प्रभावित परिवारों का कहना है कि उनका मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

बिना सत्यापन चल रहे 50 ई-रिक्शाओं को किया गया सीज

हरिद्वार(आरएनएस)। जनपद में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी की ओर से दिए गए निर्देशों के अनुपालन में परिवहन विभाग ने बिना सत्यापन संचालित किए जा रहे ई-रिक्शाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। चलाए गए विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान 50 ई-रिक्शाओं को सीज किया गया जिससे ई-रिक्शा संचालकों में अफरा-तफरी मच गई। अभियान का नेतृत्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नेहा झा और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) निखिल शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान जनपद के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों और संवेदनशील यातायात बिंदुओं पर ई-रिक्शाओं की सघन जांच की गई। जांच के दौरान पंजीकरण प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, फिटनेस, परमिट सहित जिला प्रशासन और परिवहन विभाग की ओर से निर्धारित सत्यापन मानकों की जांच की गई। विशेष रूप से उन ई-रिक्शाओं पर फोकस किया गया जिन पर निर्धारित क्यूआर कोड स्टीकर नहीं लगे थे। कार्रवाई में बड़ी संख्या में ऐसे ई-रिक्शा पकड़े गए, जो बिना क्यूआर कोड स्टीकर और बिना पूर्ण सत्यापन के संचालित हो रहे थे। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 50 ई-रिक्शाओं को मौके पर ही सीज किया गया। साथ ही वाहन चालकों और स्वामियों को सख्त निर्देश दिए गए कि बिना सत्यापन और क्यूआर कोड स्टीकर के वाहन संचालन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

बिजली कटौती से कारोबार चौपट, जनता बेहाल

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नगर क्षेत्र में लगातार हो रही अनियमित बिजली कटौती से व्यापारियों में आक्रोश है। दिनभर बिजली गुल रहने से जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है वहीं स्टांप, फोटो कॉपी, साइबर कैफे और दुग्ध डेयरी जैसी सेवाएं भी प्रभावित हो रही है। दूरदराज क्षेत्रों से तहसील एवं सरकारी कार्यालयों में काम से आने वाले ग्रामीणों और छात्रों को दस्तावेजों के लिए स्टांप पेपर, खाता-खतौनी व फोटो कॉपी निकलवाने के लिए सुबह से शाम तक इंतजार करना पड़ रहा है। बिजली बाधित रहने से जरूरी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकित पंवार ने कहा कि विद्युत विभाग की ओर से जारी रोस्टर का पालन नहीं किया जा रहा है जिन दिनों नियमित आपूर्ति होनी चाहिए उन दिनों भी घंटों बिजली काटी जा रही है। उन्होंने कहा कि पूरे दिन बिजली बाधित रहने से व्यापारियों के कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

एआरटीओ कार्यालय के बाहर अवैध गतिविधियों पर बड़ी कार्रवाई

रुड़की(आरएनएस)। उप संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कार्यालय के आसपास अवैध गतिविधियों के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया। परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में अनधिकृत रूप से परिवहन संबंधी कार्य करने वालों को निशाना बनाया गया।

कार्रवाई के दौरान एक कॉमन सर्विस सेंटर से वाहनों और निजी जानकारियों से जुड़े कागजात बरामद हुए, जिन्हें कब्जे में लेकर सील कर दिया गया। वहीं एक सेकेंड हैंड कार डीलर के ऑफिस की जांच में आवश्यक सत्यापन और निर्धारित शुल्क जमा न होने पर उसे तत्काल बंद करा दिया गया। टीम ने छापेमारी के दौरान लैपटॉप, प्रिंटर, दस्तावेज और अन्य उपकरण जब्त किए। अचानक हुई इस कार्रवाई से आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया और कई ने अपनी दुकानें बंद कर मौके से भागने की कोशिश की। करीब 30 से 40 मिनट तक चले इस अभियान के दौरान भारी भीड़ जमा रही।संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) जितेंद्र चंद्र बहादुर ने कहा कि विभाग आमजन को पारदर्शी और सरल सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या अनधिकृत हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे और दोषियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई होगी।गौरतलब है कि एआरटीओ कार्यालय के बाहर फोटो स्टेट और सीएससी सेंटर दलाली का अड्डा बनते जा रहे हैं। करीब एक साल पूर्व भी इसी तरह की कार्रवाई में कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए थे। सूत्रों के अनुसार, दलाल सुविधा शुल्क लेकर लाइसेंस प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराने का दावा करते हैं। यही कारण है कि विभाग समय-समय पर छापेमारी कर इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने का प्रयास करता रहा है।

पुलिस के सत्यापन अभियान की खुली पोल

संवाददाता

देहरादून। राजस्थान में लूट के मामले में वांछित 12 साल से फरार बीस हजार के ईनामी को एसटीएफ ने कैण्ट क्षेत्र से गिरफ्तार किया। जिसके बाद दून पुलिस के सत्यापन के दावों की पोल खुल गयी वहीं कैण्ट क्षेत्र के पुलिस अधिकारी मात्र अपने कॉलर खडे करने के अलावा जमीनी पुलिसिंग में शून्य साबित हुए।

यह बात कई बार सिद्ध हो गयी है कि दून पुलिस मात्र दिखावे व गरीब मजदूरों की बस्तियों तक ही सत्यापन अभियान में अपनी दिलेरी दिखाने तक ही सीमित है। वहीं बाहरी राज्यों के बदमाशों ने यहां पर पुलिस के सत्यापन अभियान को कई बार आईना दिखाया है। चाहे वह मुम्बई के दत्ता सांवत के हत्यारे हो या फिर पंजाब में जेल से अपने साथियों को छुडवाने वाले खतरनाक अपराधी हों। सभी ने अपने ऐशगाह दून को बना रखा था लेकिन पुलिस को इनकी कोई भनक तक नहीं लगी। यही नहीं और भी कई मामले सामने आये जब पुलिस के दावों की पोल खुलकर रह गयी। लेकिन दून पुलिस अपने दावे करने से पीछे हटने को तैयार नहीं। मुम्बई के मजदूर नेता दत्ता सांवत के हत्यारे यहां पर खुलेआम रहकर जमीनों की खरीदारी करने के साथ ही अन्य धंधों में लगे रहे लेकिन पुलिस को इसका जरा सा भी अभास नहीं हुआ। यही नहीं दत्ता सांवत के हत्यारों ने यहां पर रहकर दो-दो शादियां भी कर रखी थी लेकिन उसकी पत्नियों तक को यह आभास नहीं हुआ वह इतने खतरनाक हत्यारों के साथ रह रही हैं। वह यहां से नेपाल जाकर वहां से फोन करके रंगदारी मांगते थे यहीं नहीं उन्होंने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहीम तक की सुपारी ले रखी थी। इसके अलावा मुजफ्फरनगर के शातिर अपराधी को यहां सहस्त्रधारा रोड में उसकी पत्नी ने ही सुपारी देकर उसकी हत्या करायी थी।

❑राजस्थान से 12 साल से फरार 20,000 का ईनामी बदमाश कैण्ट क्षेत्र से गिरफ्तार

उसकी हत्या के बाद दून पुलिस को पता चला था कि एक खतरनाक अपराध ी उनके यहां पर रह रहा था। इसके अलावा पंजाब में जेल ब्रेक कांड की साजिश भी यहीं सहस्त्रधारा रोड पर एक मकान में रची गयी थी। इसके अलावा अभी बीते दिनों झारखंड के कुख्यात बदमाश की राजपुर रोड पर हुई हत्या के बाद पुलिस को पता चला था कि वह बदमाश दून में रह रह था। और भी बहुत से घटनाक्रम है जो दून की वादियों में रचे बसे हैं लेकिन पुलिस इन सबसे अनजान रहीं। इतने घटनाक्रम के बाद भी दून पुलिस यह दावे कैसे कर सकती है कि उन्होंने सत्यापन अभियान चलाकर संदिग्धों को हिरासत में लिया है। अभी तक दून पुलिस ने बस्तियों तक ही अपने सत्यापन अभियान को सीमित रखा हुआ है। कभी किसी पॉश कालोनी में पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाया इसका कोई दावा दून पुलिस नहीं कर सकती है। इसकी पोल अभी हाल ही में दो दिन पहले कैण्ट क्षेत्र में खुल गयी। जब एसटीएफ ने राजस्थान से 12 साल से फरार बीस हजार के ईनामी बदमाश दिवेश मोर्य जो यहां पर रहकर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था। जिसको एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। तो फिर कैण्ट थाना पुलिस क्या कर रही थी। कैण्ट थाना पुलिस को जरा भी आभास नही हुआ। क्या उनका सत्यापन अभियान मात्र दिखावा था। जब एसटीएफ को इस बात का पता लग सकता है कि राजस्थान का बदमाश यहां पर रह रहा है तो फिर कैण्ट पुलिस को इसका पता क्यों नहीं चला। यह पुलिस की कार्य प्रणाली पर एक प्रश्न चिन्ह लगाता है।

इन्वेस्टमेन्ट के नाम पर करोडों की ठगी.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

हजार रुपये) की धोखाधड़ी की गयी। कुछ समय पश्चात शिकायतकर्ता को स्वंय के साथ साइबर ठगी होने का आभास हुआ, जिस पर शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत दर्ज करायी गयी। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों / व्हाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनियों, मेटा कम्पनी से पत्राचार कर डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण एवं विवेचना के आधार पर उक्त अपराध में संलिप्त अपराधियों को चिन्हित कर तलाश जारी की गयी, विवेचना के दौरान जानकारी में आया कि उक्त साईबर अपराध में संलिप्त गैंग के महाराष्ट्र निवासी 3 सदस्य केन्द्रीय कारागार पटियाला में किसी अन्य अपराध में निरुद्ध हैं, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुये उक्त तीनों अपराधियों का वारण्ट बी प्राप्त कर देहरादून लाया गया व बीती 25 मार्च को इस मुकदमें में रिमाण्ड लेकर देहरादून जेल भेजा गया तथा संलिप्त एक अन्य अपराधी अरवाज सैफी को बीती 9 अप्रैल को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। साईबर टीम द्वारा जांच में और तेजी लाते हुये उक्त अपराध में संलिप्त एक अन्य आरोपी रिंकू पुत्र किशोरी लाल निवासी जिला झुंझुनूं राजस्थान को चिन्हित कर उसकी तलाश प्रारंभ की गयी और इसी क्रम में आरोपी रिंकू को झुंझुनू राजस्थान से गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाईल फोन और सिम बरामद हुआ है। पीड़ित के साथ ठगी के रुपयों में से 2 लाख रूपये की धनराशि आरोपी रिंकू के बैंक खाते में बरामद हुई थी, जिसे उसके द्वारा तत्समय सेल्फ चेक के माध्यम से निकाला गया था। जांच से रिंकू के बैंक खाते के खिलाफ पूरे भारत वर्ष में कई शिकायतें दर्ज होना प्रकाश में आयी हैं जिनमें अब तक तेलंगाना, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यो में 16 शिकायतें प्रकाश में आयी हैं।

उत्तराखंड की जेलों में क्षमता से दुगने कैदी बंद

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड जैसे शान्त माने जाने वाले राज्य में भी उत्तराखंड की आधे से अधिक जेलों में उसकी क्षमता से दुगने तक कैदी बंद है जबकि कुल कैदियों की संख्या पिछले वर्ष की 5521 से 765 की कमी होकर 4812 हो गयी है। यह खुलासा सूचना अधिकार के अन्तर्गत कारागार मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने महानिरीक्षक कारागार (कारागार मुख्यालय) उत्तराखंड से उत्तराखंड राज्य की जेलो में बंदियों की क्षमता तथा वर्तमान में बंद कैदियों की संख्या के सम्बन्ध में सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में मुख्यालय कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग उत्तराखंड के लोक सूचना अधिकारी ने अपने पत्रांक 442 दिनांक 23 फरवरी 2026 से जेलों की क्षमता तथा बंदियों का विवरण उपलब्ध कराया है। इससे पूर्व 7 फरवरी 2025 की सूचना में 2025 में कैदियों की संख्य उपलब्ध करायी गयी है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार क्षमता से सबसे अधिक लगभग दुगने 141 कैदी 71 क्षमता वाली जिला कारागार नैनीताल में बंद हैं जबकि दूसरे स्थान पर क्षमता के 185 प्रतिशत 189 कैदी 102 क्षमता वाली जिला कारागार अल्मोड़ा में बंद हैं। तीसरे स्थान पर 157 प्रतिशत कैदी 911 कैदी 580 क्षमता वाली देहरादून जेल में बंद हैं। चौथे स्थान पर क्षमता के 152 प्रतिशत 1025 कैदी 675 क्षमता वाली उपकारागार हल्द्वानी जेल में बंद हैं। पांचवें स्थान पर क्षमता के 140 प्रतिशत 772 कैदी 552 क्षमता वाली केन्द्रीय कारागार सितारगंज जेल में बंद हैं। छठे स्थान पर क्षमता के 122 प्रतिशत 298 कैदी 244 क्षमता वाली उपकारागार रूड़की में बंद है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार क्षमता से सबसे कम 19 प्रतिशत 56 कैदी 300

कारागार मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ खुलासा

क्षमता वाली सम्पूर्णनन्द शिविर (खुली जेल) सितारगंज में बंद हैं जबकि दूसरे स्थान पर क्षमता के 64 प्रतिशत 109 कैदी 169 क्षमता वाली जिला कारागार चमोली में बंद हैं। तीसरे स्थान पर क्षमता के 72 प्रतिशत 108 कैदी 150 क्षमता वाली जिला कारागार पौड़ी में बंद हैं। चौथे स्थान पर क्षमता के 98 प्रतिशत 78 कैदी 80 क्षमता वाली जिला कारागार पिथौरागढ़ में बंद हैं जबकि जिला कारागार टिहरी में क्षमता के अनुरूप 150 कैदी ही बंद है। नदीम को 7 फरवरी 2025 को उपलब्ध सूचना के अनुसार 2025 में क्षमता से सर्वाधिक अधिक 185 प्रतिशत कैदी 102 क्षमता वाली जिला कारागार अल्मोड़ा में 291 कैदी थे। दूसरे स्थान पर क्षमता के 201 प्रतिशत कैदी 71 क्षमता वाली जिला कारागार नैनीताल में 143 कैदी बंद थे। तीसरे स्थान पर क्षमता के 193 प्रतिशत कैदी 580 क्षमता वाली जिला कारागार देहरादून में 1122 कैदी बंद थे। चौथे स्थान पर क्षमता के 187 प्रतिशत कैदी 635 क्षमता वाली उपकारागार हल्द्वानी में 1188 कैदी बंद थे। पांचवें स्थान पर क्षमता के 156 प्रतिशत कैदी 552 क्षमता वाली केन्द्रीय कारागार सितारगंज में 860 कैदी बंद थे। छठे स्थान पर क्षमता के 132 प्रतिशत कैदी 150 क्षमता वाली जिला कारागार टिहरी में 198 कैदी बंद थे। सातवें स्थान पर क्षमता के 131 प्रतिशत कैदी 244 क्षमता वाली रूड़की उपकारागार में 319 कैदी बंद थे। आठवें स्थान पर क्षमता के 126 प्रतिशत कैदी 888 क्षमता वाली जिला कारागार हरिद्वार में 1120 कैदी बंद थे। नवें स्थान पर क्षमता के 107 प्रतिशत कैदी 150 क्षमता वाली जिला पौड़ी में 160 कैदी बंद थे। उपलब्ध सूचना के अनुसार प्रदेश में केवल दो जेले ही ऐसी थी जिसमें निर्धारित स्वीकृत क्षमता से कम कैदी बंद थे। इसमें एक विशेष जेल सम्पूर्णानन्द शिविर (खुली जेल) इसकी क्षमता 300 कैदियों की थी जबकि इसकी क्षमता के मात्र 15 प्रतिशत 45 कैदी ही इसमें बंद थे। इसके अतिरिक्त सामान्य जेलों में स्वीकृत क्षमता से कम कैदियों वाली एकमात्र जेल जिला कारागार चमोली है। इसमें उसकी क्षमता 169 की अपेक्षा 71 प्रतिशत 120 कैदी ही बंद थे।

दुकान का ताला तोड लाखों की नगदी व सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। सहारनपुर रोड निवासी कमल भाटिया ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज जब वह अपनी दुकान पर पहुंचे तो देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से साढे तीन लाख रूपये नगद व सामान चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल की चपेट में आकर महिला घायल

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल की चपेट में आकर महिला के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी सुनील भारद्वाज ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां बाजार से घर की तरफ आ रही थी जब वह आईडीबीआई बैंक के पास पहुंची तभी सामने से आ रहे मोटरसाईकिल सवार ने उनको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'मानवता के पक्ष में' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन

हमारे प्रतिनिधि

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया गया ।

इस अवसर पर महाविद्यालय की यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा 'मानवता के पक्ष में' विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी में महाविद्यालय की नवगठित यूथ रेड क्रॉस की चारों इकाई के स्वयंसेवियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस हमें याद दिलाता है कि आपसी मदद और सहयोग से ही समाज में सच्ची मानवता का संचार हो सकता है। विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के यूथ रेड क्रॉस के प्रभारी डॉ.राजेश कुमार सिंह ने रेड क्रॉस द्वारा पूरी दुनिया में जरूरतमंद लोगों की सेवा में किए गए अभूतपूर्व योगदान पर प्रकाश डाला। आपने बताया कि निस्वार्थ भाव से लोगों की स्वैच्छिक सेवा ही रेड क्रॉस का सार रहा है। यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी के सह प्रभारी गणित विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ राजेश कुमार मौर्य ने विचार गोष्ठी की थीम पर बोलते हुए कहा कि रेड क्रॉस श्मानवता के पक्ष मेंश् एक ऐसा संदेश है जो आज के चुनौतीपूर्ण समय में अत्यंत प्रासंगिक है । यह विषय हमें मानवीय मूल्यों की रक्षा करने की आवश्यकता का स्मरण कराता है । आपने बताया कि रेड क्रॉस के स्वयंसेवी पूरी दुनिया में शांति, दया, परोपकार और बेहतर जीवन के लिए उम्मीद के प्रसार हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

इस विचार गोष्ठी में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. रवींद्र कुमार सैनी, प्रो. हेमलता सैनी तथा महाविद्यालय यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी के चारों इकाइयों के स्वयंसेवी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने श्री केदारनाथ धाम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन अस्पताल का किया लोकार्पण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री केदारनाथ धाम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन अस्पताल का लोकार्पण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री केदारनाथ धाम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड हॉस्पिटल का विधिवत लोकार्पण किया। यह अस्पताल स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी द्वारा संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार श्री केदारनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त अस्पताल का संचालन स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह अस्पताल यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा श्री केदारनाथ धाम यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष प्राथमिकता

दी जा रही है। यात्रा मार्ग पर चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, स्वास्थ्य जांच केंद्रों, ऑक्सीजन सुविधाओं एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार स्वस्थ उत्तराखंड समृद्ध उत्तराखंड के सपने को साकार करने के लिए प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं सुधारीकरण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयुष्मान योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 61 लाख आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं जिसके माध्यम से आज प्रदेश के अंदर लाखों मरीजों को निशुल्क उपचार मिल रहा है इसके साथ ही राज्य के प्रत्येक जनपद में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा केदार के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना भी की। उन्होंने कहा कि श्री केदारनाथ धाम केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि सेवा एवं मानवता का भी प्रतीक है और इसी भावना के साथ सरकार देवभूमि में स्वास्थ्य एवं जनसुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक केदारनाथ श्रीमती आशा नौटियाल ने कहा कि यह अस्पताल सेवा, समर्पण एवं जनकल्याण का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो भविष्य में लाखों श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय खन्ना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी, विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश चंद्र, बद्री केदार मंदिर समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, बद्री केदार उपाध्यक्ष विजय कप्रवान, श्री केदार सभा के अध्यक्ष पं. राजकुमार तिवारी, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य अमित मेंखडी, महा मंत्री अकिंत सेमवाल, संजय तिवारी, जिला पंचायत सदस्य सुबोध बगवाड़ी, केशव बहुगुणा, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक निहारिक तोमर, उप जिलाधिकारी कृष्णा त्रिपाठी, कर्नल अजय कोटियाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

उत्तरकाशी पुलिस बनी श्रद्धालुओं का सहारा

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने श्रद्धालुओं का सहारा बनते हुए खराब बस को ठीक कराकर श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य के लिए रवाना किया।

आज यहां सुविधा, सुरक्षा और सम्मान" के संकल्प को साकार करते हुए पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सहायता हेतु लगातार तत्पर है।

देर शाम थाना कोतवाली मनेरी क्षेत्र के भटवाड़ी, मल्ला गांव के पास गंगोत्री नेशनल हाईवे पर महाराष्ट्र से आए तीर्थयात्रियों की बस अचानक खराब हो गई, जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया और लगभग 450 यात्री रास्ते में फंस गए। जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक मनेरी, दीपक नौटियाल पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बिना समय गंवाए खराब बस को सुरक्षित किनारे लगवाकर सबसे पहले यातायात को सुचारू कराया। जांच में बस का एक्सल टूटना पाया गया। इसके बाद पुलिस द्वारा भटवाड़ी से मिस्त्री बुलवाकर बस की मरम्मत करवाई और सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित उनके गंतव्य के लिए रवाना किया।

स्वच्छ धाम, सुरक्षित धाम: बद्रीनाथ धाम में चला संयुक्त सफाई अभियान

हमारे संवाददाता

चमोली। विश्व प्रसिद्ध श्री बद्रीनाथ धाम में आज पुलिस, आईटीबीपी एवं एसडीआरएफ के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जवानों ने मंदिर परिसर, तप्त कुंड, नदी किनारे एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सफाई करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया।

चारधाम यात्रा में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए धाम की पवित्रता एवं स्वच्छता बनाए रखने हेतु सभी जवान पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ सफाई अभियान में जुटे दिखाई दिए। हाथों में झाड़ू और सफाई उपकरण लेकर जवानों ने न केवल कूड़ा-कचरा हटाया, बल्कि श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान मंदिर परिसर एवं तप्त कुंड क्षेत्र में फैले प्लास्टिक, कचरे एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर उचित स्थान पर निस्तारित किया गया। वहीं अलकनंदा नदी किनारे भी विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण बनाए रखने का प्रयास किया गया। पुलिस, आईटीबीपी एवं एसडीआरएफ के जवानों ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि धाम की पवित्रता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। श्रद्धालु कूड़ा निर्धारित स्थानों पर ही डालें तथा प्लास्टिक एवं गंदगी फैलाने से बचें।

बिहार के 4 माह से लापता मूक बालक को उसके भाई के किया सुपुर्द

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बिहार (पटना) के चार माह से लापता मूक बधिर बालक को पुलिस ने उसके भाई की सुपुर्दगी में दे दिया है। जिससे बालक के परिजनों के चेहरो पर मुस्कान लौट आयी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना श्यामपुर पुलिस द्वारा दौरान गश्त/चेकिंग बाहरपीली क्षेत्र के पास एक बालक लावारिस अवस्था में घूमता हुआ मिला, जो बोलने में असमर्थ एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ था। पुलिस टीम ने तत्काल मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए बालक को रेस्क्यू कर विश्वास में लिया एवं थाने लाया गया। परिजनों की तलाश हेतु सोशल मीडिया, जिला एवं प्रदेश स्तर पर खोये बालक/बालिकाओं

के माध्यम से जानकारी प्रसारित की गई। थाना श्यामपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मात्र 3 घंटे के भीतर उसके भाई की पहचान राज नारायण यादव पुत्र स्व. रामविलास यादव निवासी बिहरानी पोस्ट मच्छी थाना बहेड़ी जिला दरभंगा, बिहार के रूप में की गई।

पूछताछ में बालक की पहचान नितीश कुमार पुत्र साधु यादव निवासी ग्राम बिहरानी पोस्ट मच्छी थाना बहेड़ी जिला दरभंगा बिहार, उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई, जो पिछले 4 माह से लापता था। अपने खोये भाई को सकुशल देखकर राज नारायण यादव की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आवश्यक कार्यवाही के उपरांत थाना श्यामपुर पुलिस द्वारा नितीश कुमार को उसके भाई के सुपुर्द किया गया। पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही से परिजनों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई। परिजनों द्वारा पुलिस का सहृदय आभार व्यक्त किया गया।

...तो टीवीके के सभी 108 विधायक इस्तीफा दे देंगे ?

संवाददाता

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति इस समय अपने सबसे नाटकीय मोड़ पर खड़ी है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके ने चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर सबको चौंका दिया, लेकिन सत्ता की कुर्सी अब भी उनसे दूर दिखाई दे रही है। इसी बीच पार्टी की ओर से आया एक बड़ा अल्टीमेटम पूरे राज्य में राजनीतिक भूचाल पैदा कर चुका है-अगर डीएमके या एआईडीएमके सरकार बनाने की कोशिश करती हैं, तो टीवीके के सभी 108 विधायक इस्तीफा दे देंगे।

टीवीके का दावा है कि जनता ने सबसे ज्यादा सीटें देकर उन्हें सबसे बड़ा जनादेश दिया है, इसलिए संवैधानिक परंपरा के अनुसार राज्यपाल को पहले सरकार बनाने का मौका उन्हें देना चाहिए। लेकिन राज्यपाल ने विजय को साफ कह दिया कि बिना 118 विधायकों के समर्थन पत्र के उन्हें शपथ की अनुमति नहीं दी जा सकती। यहीं से सियासी टकराव और तेज हो गया। टीवीके अब इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बता रही है और अदालत जाने की तैयारी में है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि पर्दे के पीछे डीएमके और एआईडीएमके मिलकर उन्हें सत्ता से दूर रखने की रणनीति बना रही हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में दशकों से एक-दूसरे की सबसे बड़ी दुश्मन रही डीएमके और एआईडीएमके के बीच संभावित समझौते की खबर ने सभी को हैरान कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, एक ऐसा फॉर्मूला चर्चा में है जिसमें के. पलानीस्वामी मुख्यमंत्री बन सकते हैं और एमके स्टालिन की डीएमके बाहर से समर्थन दे सकती है।

एआईडीएमके फिलहाल खुलकर कोई कदम नहीं उठा रही, लेकिन पार्टी ने अपने विधायकों को चेन्नई में रुकने और सतर्क रहने को कहा है। अंदरखाने यह चर्चा जरूर तेज है कि पार्टी टीवीके के साथ जाएगी या डीएमके के साथ कोई नई रणनीति बनाएगी। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने टीवीके से गठबंधन की संभावना को सार्वजनिक रूप से खारिज कर दिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।